अल्प समंजनीय अग्रिम पर आदेश जारी करने में प्रबन्धन के स्वच्छन्द निर्णय के खिलाफ स्वतः भारी विरोध

पूरे देश के पैमाने पर बी. एस. एन. एल. गैर कार्यपालकों ने अपने तीव्र गुस्से का इजहार किया है और बहुत थोड़ा अग्रिम एवं बी. एस. एन. एल. प्रबन्धन द्वारा जारी स्वेच्छाचारी आदेश के खिलाफ स्वतः विरोध व्यक्त किया।

यद्यपि BSNLEU एवं यूनाइटेड फोरम ने वेतन का 50% या रु० 3000/- जो भी अधिक हो, अन्तरिम राहत के रूप में मांगा था, प्रबन्धन ने केवल दो माह का मूल वेतन देने का प्रस्ताव किया/ चर्चा के दौरान सी.एम.डी ने 4 माह का मूल वेतन अग्रिम के रूप में देने का प्रस्ताव किया/ BSNLEU ने यह कहते हुए कि यह बहुत कम है, प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया/

परन्तु केवल चार माह के मूल वेतन के बराबर समायोजनीय अग्रिम के भुगतान के लिए प्रबन्धन ने 30.4.2009 को स्वेच्छाचारी आदेश जारी कर दिया। प्रबन्धन को कभी भी ऐसे मामले पर आदेश जारी नहीं करना चाहिए था, जो कि मान्यता प्राप्त यूनियन के साथ चर्चा में हो।

इसीलिए बहुत कम समय में ड्यूटी/ आफिस से बहिष्कार और कारपोरेट आफिस पर 4 मई 2009 को भारी भूख-हड़ताल आयोजित की गयी।

अधिकतम कामगारों की भागीदारी के साथ विरोध कार्यक्रम आयोजित करने के लिए केन्द्रीय मुख्यालय की ओर से समस्त कर्मचारियों को बधाई।

क्या समंजनीय अग्रिम स्वीकार करना है अथवा नहीं?

कुछ साथियों ने अग्रिम के बहिष्कार का आह्वान करने के लिए हमसे अनुरोध किया है, क्योंकि यह बहुत कम है और निर्णय स्वच्छन्द तरीके से लिया गया है। हम समझते हैं और इन साथियों की भावनाओं का कद्र करते हैं। केन्द्रीय सचिवालय ने विस्तृत चर्चा के उपरान्त कर्मचारियों को अग्रिम लेने और इसी के साथ अपना आन्दोलन जारी रखने का आह्वान करने का निर्णय लिया है। हमारा ध्यान मुख्य लक्ष्य से विचलित नहीं होना चाहिए और कर्मचारियों में फूट हमें स्वीकार्य नहीं है। हमारा अधिकतम प्रयास, 19-20 मई 2009 की दो दिनी हड़ताल को बड़ी सफलता के रूप में परिणत करना होना चाहिए।

अन्य यूनियनों से अनुरोध

केन्द्रीय मुख्यालय ने प्रतिनिधि यूनियन के रूप में अन्य सभी यूनियनों (यूनाइटेड फोरम की यूनियनों के अलावा, जो पहले से ही हड़ताल नोटिस दे चुकी हैं) से पहले ही सामान्य हित में 19-20 मई 2009 की हड़ताल में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है। हमने एक्जीक्यूटिव एसोसियेशनों से भी एकरूपता कायम करने का अनुरोध किया है।

- आइये हम सफल हड़ताल के लिए सभी तैयारियाँ मुकम्मल करें।
- प्रत्येक कर्मचारी से सम्पर्क करें और समझायें।
- आम सभायें/ कार्यकारिणी बैठकें आयोजित करें।

हम हड़ताल की ओर बढ़ें!

विजय की ओर कदम बढ़ायें!!